

D.PHARM

2ND YEAR



CHAPTER-1

PART-3

Essential List of medicines & Standard Treatment Guidelines

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

Syllabus according to PCI

Pharmacotherapeutics – Introduction, scope, and objectives.
Rational use of Medicines, Evidence Based Medicine,
Essential Medicines List, Standard Treatment Guidelines
(STGs)

ESSENTIAL MEDICINES-

Essential medicines are those that satisfy the priority health care needs of the population.

आवश्यक दवाएं वे हैं जो आबादी की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

ESSENTIAL MEDICINES-

The concept of essential drugs is based on a simple fact that a limited range of carefully selected Essential medicines lead to better health care, better drug management and lower costs.

आवश्यक दवाओं की अवधारणा एक साधारण तथ्य पर आधारित है कि सावधानीपूर्वक चयनित आवश्यक दवाओं की एक सीमित श्रृंखला से बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, बेहतर दवा प्रबंधन और कम लागत होती है।



ESSENTIAL MEDICINES-

Essential medicines should be available at all times, in adequate amounts, in appropriate dosage forms and at affordable price.

आवश्यक दवाएं हर समय, पर्याप्त मात्रा में, उचित खुराक के रूप में और किफायती मूल्य पर उपलब्ध होनी चाहिए।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306



The first WHO model list of essential medicines was published in the year 1977 which contained 186 medicines.

आवश्यक दवाओं की पहली WHO मॉडल सूची वर्ष 1977 में प्रकाशित हुई थी जिसमें 186 दवाएं शामिल थीं।

The first Essential Medicines List for Children was published in 2007 The WHO Model Lists of Essential Medicines are updated every two years by the Expert Committee on Selection and Use of Essential Medicines.

बच्चों के लिए पहली आवश्यक दवाओं की सूची 2007 में प्रकाशित की गई थी। आवश्यक दवाओं के चयन और उपयोग पर विशेषज्ञ समिति द्वारा आवश्यक दवाओं की WHO मॉडल सूची हर दो साल में अपडेट की जाती है।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306



Principle of the concept is that a limited number of drugs promote

A better supply of drugs

दवाओं की बेहतर आपूर्ति

More rational prescribing

अधिक तर्कसंगत निर्धारण

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306



Procurement of good quality at lower costs easier storage distribution and dispensing

कम लागत पर अच्छी गुणवत्ता की खरीद, आसान भंडारण, वितरण और वितरण

Better and Focused training and drug information.

बेहतर और केंद्रित प्रशिक्षण और दवा की जानकारी।

More experience with fewer drugs, better recognition of adverse drug reactions (ADR)

कम दवाओं के साथ अधिक अनुभव, प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडीआर) की बेहतर पहचान

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306



MASTER NOTES FOR D.PHARMA

**2ND YEAR
STUDENTS**

LINK IS
GIVEN IN
DESCRIPTION

**SET OF 6 MODULES
FOR 2ND YEAR STUDENTS**



**CLICK TO
JOIN NOW**



CALL US NOW
6395596959, 8006781759

SELECTION CRITERIA



The selection of essential drugs should be based on the following factor such as

1. The disease prevalence in the region/country. क्षेत्र/देश में रोग का प्रसार
2. Morbidity and mortality rate in the country. देश में रुग्णता और मृत्यु दर
3. Efficacy and safety of medicines. दवाओं की प्रभावकारिता और सुरक्षा
4. Facilities available at health care institutions. स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों में उपलब्ध सुविधाएं

जुड़िए हमारे साथ **Type- DPINDIA** और भेज दीजिए **9389516306**

5. Experience and Skill, knowledge and training level of education of the health care professionals. अनुभव और कौशल. स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की शिक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण स्तर

6. Financial availability of medicines. दवाओं की वित्तीय उपलब्धता

7. Storage facilities. भंडारण की सुविधाएं

8. Economic genetic and demographic parameters. आर्थिक आनुवंशिक और जनसांख्यिकीय पैरामीटर



India produced its National Essential Drugs List in 1996 and has revised it in 2011 with the title "National List of Essential Medicines" This includes 348 medicines which are considered the adequate to meet the promptly healthcare needs of the general population of the country.

भारत ने 1996 में अपनी राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची तैयार की और 2011 में इसे "आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची" शीर्षक से संशोधित किया। इसमें 348 दवाएं शामिल हैं जिन्हें देश की सामान्य आबादी की तत्काल स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना जाता है।

जुड़िए हमारे साथ **Type- DPINDIA** और भेज दीजिए **9389516306**



Criteria for inclusion of a medicine in NLEM of India are as follows-

The medicine should be approved/licensed in India

दवा को भारत में अनुमोदित/लाइसेंस प्राप्त होना चाहिए

The medicine should be useful in disease which is a public health problem on India

दवा उस बीमारी में उपयोगी होनी चाहिए जो भारत में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है

जुड़िए हमारे साथ **Type- DPINDIA** और भेज दीजिए **9389516306**

The medicine should have proven efficacy and safety profile based on valid scientific evidence

वैध वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर दवा की सिद्ध प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल होनी चाहिए

The medicine should be cost effective

दवा लागत प्रभावी होनी चाहिए

The medicine should be aligned with the current treatment guidelines for the disease

दवा को बीमारी के वर्तमान उपचार दिशानिर्देशों के अनुरूप होना चाहिए



The medicine should be stable under the storage conditions in India

भारत में भंडारण की स्थिति में दवा स्थिर होनी चाहिए

When more than one medicine are available from the same therapeutic class, preferably one prototype medically best suited medicine of that class to be included after due deliberation and careful evaluation of their relative safety, efficacy, cost-effectiveness.

जब एक ही चिकित्सीय वर्ग से एक से अधिक दवाएँ उपलब्ध हों, तो उचित विचार-विमर्श और उनकी सापेक्ष सुरक्षा, प्रभावकारिता, लागत-प्रभावशीलता के सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद उस वर्ग की एक प्रोटोटाइप चिकित्सकीय रूप से सबसे उपयुक्त दवा को शामिल किया जाना चाहिए।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

The criteria for deletion of a medicine from NLEM are as follows-

- 1.The medicine has been banned in India. भारत में इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
- 2.There are reports of concerns on the safety profile of a medicine. किसी दवा की सुरक्षा प्रोफाइल पर चिंताओं की रिपोर्टें हैं।



3. A medicine with better efficacy or favorable safety profiles and better cost-effectiveness is now available. बेहतर प्रभावकारिता या अनुकूल सुरक्षा प्रोफाइल और बेहतर लागत-प्रभावशीलता वाली एक दवा अब उपलब्ध है

4. The disease burden for which a medicine is indicated is no longer a national health concern in India In case of antimicrobials, if the resistance pattern has rendered a medicine ineffective in Indian context. रोग का बोझ जिसके लिए एक दवा का संकेत दिया गया है वह अब भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य चिंता का विषय नहीं है। रोगाणुरोधी के मामले में, यदि प्रतिरोध पैटर्न ने भारतीय संदर्भ में एक दवा को अप्रभावी बना दिया है

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

STANDARD TREATMENT GUIDELINE



- A minimum standard of care is needed by every individual seeking medical treatment in a healthcare facility or by a healthcare professional. For any clinical conditions, it is imperative for health caregivers to be guided by standard care guidelines/pathways to complement them to provide an acceptable level of quality care to the patients Hence formulating STGs could be a beacon for health care.

स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में या स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर द्वारा चिकित्सा उपचार चाहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम मानक देखभाल की आवश्यकता होती है। किसी भी नैदानिक स्थिति के लिए, स्वास्थ्य देखभाल करने वालों के लिए मानक देखभाल दिशानिर्देशों/मार्गों द्वारा निर्देशित होना अनिवार्य है ताकि रोगियों को स्वीकार्य स्तर की गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान की जा सके, इसलिए एसटीजी तैयार करना स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक मार्गदर्शक हो सकता है।

जुड़िए हमारे साथ **Type- DPINDIA** और भेज दीजिए **9389516306**

➤ Ayushman Bharat, a flagship scheme of Government of India, was launched as recommended by the National Health Policy 2017, to achieve the vision of Universal Health Coverage (UHC).

यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, भारत सरकार की एक प्रमुख योजना, आयुष्मान भारत को राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 की सिफारिश के अनुसार लॉन्च किया गया था।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

➤ Standard treatment guideline is a systematically developed statement which is designed to assist prescribers in making decisions about appropriate treatment and health care for specific clinical problem and circumstances.

मानक उपचार दिशानिर्देश एक व्यवस्थित रूप से विकसित कथन है जिसे विशिष्ट नैदानिक समस्या और परिस्थितियों के लिए उचित उपचार और स्वास्थ्य देखभाल के बारे में निर्णय लेने में चिकित्सकों की सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है।

➤ STGs also known as standard treatment schedules, standard treatment protocols, therapeutic guidelines STGs list the preferred pharmaceutical and non-pharmaceutical treatments for common health problems experienced by people in a specific health system.

एसटीजी को मानक उपचार कार्यक्रम, मानक उपचार प्रोटोकॉल, चिकित्सीय दिशानिर्देश के रूप में भी जाना जाता है एसटीजी एक विशिष्ट स्वास्थ्य प्रणाली में लोगों द्वारा अनुभव की जाने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए पसंदीदा फार्मास्युटिकल और गैर-फार्मास्युटिकल उपचारों की सूची बनाते हैं।

Information Included in the STG

Information provided in the STG can vary widely. The following elements are suggestions for comprehensive STGs

1. Clinical condition. नैदानिक स्थिति
2. Diagnostic criteria and exclusions. नैदानिक मानदंड और बहिष्करण
3. Treatment objectives (eg elimination of plasmodium parasites from a blood smear). उपचार के उद्देश्य (जैसे रक्त स्मीयर से प्लास्मोडियम परजीवी का उन्मूलन)।
4. Nonpharmaceutical treatment. गैर-फार्मास्युटिकल उपचार
5. Medicines of choice (and alternatives) for the medical condition. चिकित्सीय स्थिति के लिए पसंद की दवाएं (और विकल्प)।

जुड़िए हमारे साथ **Type- DPINDIA** और भेज दीजिए **9389516306**

6. Important prescribing information-dose, duration, contraindications, side effects, warnings medicine interactions. महत्वपूर्ण निर्धारित जानकारी-खुराक, अवधि, मतभेद, दुष्प्रभाव, चेतावनियाँ दवा की परस्पर क्रिया
7. Referral criteria. रेफरल मानदंड
8. Patient education information. रोगी शिक्षा संबंधी जानकारी
9. What to do when clinical response is poor. जब चिकित्सीय प्रतिक्रिया खराब हो तो क्या करें?

Key features of a successful STG manual

Simplicity: The number of health problem is limited to commonly observed conditions. Each clinical condition list a few salient features with clear and concise information on pharmacological and non- pharmacological treatment.

सरलता: स्वास्थ्य समस्याओं की संख्या सामान्यतः देखी जाने वाली स्थितियों तक ही सीमित है। प्रत्येक नैदानिक स्थिति में औषधीय और गैर-औषधीय उपचार पर स्पष्ट और संक्षिप्त जानकारी के साथ कुछ मुख्य विशेषताएं सूचीबद्ध होती हैं।

Credibility: Guidelines developed by the most respected experienced clinicians in the country and revision is based on actual experience.

विश्वसनीयता: देश में सबसे सम्मानित अनुभवी चिकित्सकों द्वारा विकसित दिशानिर्देश और संशोधन वास्तविक अनुभव पर आधारित हैं।

Regular updating: Any change in the therapeutic options, bacterial resistance pattern should be incorporated in the revised version to reflect current recommendations.

नियमित अद्यतनीकरण: चिकित्सीय विकल्पों में कोई भी बदलाव, जीवाणु प्रतिरोध पैटर्न को वर्तमान सिफारिशों को प्रतिबिंबित करने के लिए संशोधित संस्करण में शामिल किया जाना चाहिए



User friendly: The STGS should be published as small, durable pocket manual which make it convenient to carry and use.

उपयोगकर्ता के अनुकूल: एसटीजीएस को छोटे, टिकाऊ पॉकेट मैनुअल के रूप में प्रकाशित किया जाना चाहिए जो इसे ले जाने और उपयोग करने में सुविधाजनक बनाता है।

जुड़िए हमारे साथ **Type- DPINDIA** और भेज दीजिए **9389516306**



THANK YOU